दिव्य सूक्त

शक्तिपात ध्यान-शिविर

शक्तिपात ध्यान-शिविर हमें

उस स्थान तक ले जाता है

जो भौतिक सुखों और दुःखों के परे है;

वह हमें

दिव्य आनन्द के लोक में ले जाता है।

~ बाबा मुक्तानन्द

संस्कृत भाषा में 'दिव्य' का अर्थ होता है दैवी या ईश्वरीय, और 'सूक्त' का अर्थ है, वह कथन सर्वोच्च सत्य को उजागर करता है। दिव्य सूक्त : ईश्वर के विषय में सिखावनियाँ।

© २०१४ एस.वाय.डी.ए. फ़ाउण्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।